



LSTV
लोक सभा

THE HINDU

Times of
India



The Indian
EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE

ध्येय IAS
most trusted since 2013
Daily News Scan
(DNS)

RStv
राज्या सभा

ET

जागरण



योग से इतनी चिढ़ क्यों है अमेरिका के इस राज्य को? (Why America's State so irritated with Yoga?)

हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के अलबामा राज्य में स्कूलों में योग सिखाए जाने पर लगे प्रतिबंध को हटाए जाने के मकसद से एक बिल पेश किया गया था। लेकिन यह बिल पारित नहीं हो सका यानी अलबामा में प्राइवेट स्कूलों में योग पर लगा दशकों पुराना प्रतिबंध अभी भी जारी रहेगा। अलबामा सीनेट ज्यूडिशरी कमेटी में सार्वजनिक सुनवाई के बाद इस प्रतिबंध को हटाने से जुड़े एक बिल को मंजूरी नहीं मिल पाई थी।

डीएनएस में आज हम जानेंगे कि आखिर यह पूरा मामला क्या है और अलबामा के स्कूलों में योग पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया है। साथ ही, हम जानेंगे कि यह योग क्या है और इसका भारत से क्या कनेक्शन है।

दरअसल कुछ धार्मिक रूढ़िवादी समूहों के दबाव के कारण साल 1993 में अलबामा शिक्षा बोर्ड ने राज्य के सरकारी स्कूलों में योग के साथ ही सम्मोहन और ध्यान विधा को प्रतिबंधित कर दिया था। इसी प्रतिबंध को हटाने के लिए अलबामा की प्रतिनिधि सभा में एक विधेयक पेश किया गया था। सभा ने इस 'योग विधेयक' को 17 के मुकाबले 84 मतों से पारित कर दिया था। विधेयक को मंजूरी के लिए फिर राज्य की सीनेट में लाया गया जिससे इसके कानून बनने और स्कूलों में 28 साल के प्रतिबंध को समाप्त करने का रास्ता साफ हुआ था। हालांकि, फाउंडेशन फॉर मॉरल लॉ समेत अन्य रूढ़िवादी संगठनों की गवाही के बाद सीनेट के न्यायिक समिति ने इस विधेयक को रोक दिया। रूढ़िवादी संगठनों का तर्क था कि प्रतिबंध हट जाने की वजह से हिंदू धर्म के अनुयायियों द्वारा सरकारी स्कूलों में धर्मांतरण को बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि अलबामा समेत पूरे अमेरिका में न केवल हिंदू बल्कि अन्य धर्मावलंबियों की एक बड़ी तादाद योगाभ्यास करती है।

योग के बारे में आपको बताए तो 'योग' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के 'युज' शब्द से हुई है, जिसका मतलब जोड़ना, एकीकरण करना या बांधना होता है। आध्यात्मिक स्तर पर जुड़ने का अर्थ है आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन होना वहीं व्यावहारिक स्तर पर योग को शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने तथा तालमेल बनाने का एक साधन माना जाता है। भारत में योग की शुरुआत करीब दस हजार साल पहले से बताई जाती है। वैदिक संहिताओं के अनुसार सप्तऋषियों में से एक अगस्त्य मुनि ने भारत में योग को जनजीवन का हिस्सा बनाने की दिशा में काम किया। ईसा पूर्व दूसरी सदी में भारतीय महर्षि पतंजलि ने पतंजलि योग सूत्र पुस्तक लिखी। यह आधुनिक योग विज्ञान की बेहद ही महत्वपूर्ण रचना मानी जाती है।

आधुनिक समय की बात करें तो 1893 में अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद को स्वामी विवेकानंद ने संबोधित किया था, जिसमें उन्होंने उस समय के आधुनिक युग में पश्चिमी दुनिया को योग से परिचय करवाया था। वहीं परमहंस योगानंद ने 1920 में बोस्टन में क्रिया योग सिखाया था। उसके बाद कई गुरुओं और योगियों ने दुनियाभर में योग का प्रसार किया और बड़े पैमाने पर लोगों ने इसको स्वीकार करना शुरू किया। यहां तक कि योग को एक विषय के रूप में भी अध्ययन किया जाने लगा।

बता दें कि साल 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा योग की महत्ता को विश्व में ख्याति दिलाने के मकसद से 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाने के लिए UN में प्रस्ताव दिया था। इसके बाद दिसंबर 2014 में 'वैश्विक स्वास्थ्य और विदेश नीति' की कार्यसूची के तहत UN में सर्वसम्मति से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की गयी थी।

Dhyeya IAS Now on Telegram

We're Now on Telegram



Join Dhyeya IAS Telegram

Channel from the link given below

["https://t.me/dhyeya_ias_study_material"](https://t.me/dhyeya_ias_study_material)

You can also join Telegram Channel through
Search on Telegram

"Dhyeya IAS Study Material"

Join Dhyeya IAS Telegram Channel from link the given below

https://t.me/dhyeya_ias_study_material

नोट : पहले अपने फ़ोन में टेलीग्राम App Play Store से Install कर ले उसके बाद लिंक में क्लिक करें जिससे सीधे आप हमारे चैनल में पहुँच जायेंगे।

You can also join Telegram Channel through our website

www.dhyeyaias.com

www.dhyeyaias.com/hindi




Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter


(ध्येय IAS ई-मेल न्यूजलेटर सब्सक्राइब करें)

जो विद्यार्थी ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप (Whatsapp Group) से जुड़े हुये हैं और उनको दैनिक अध्ययन सामग्री प्राप्त होने में समस्या हो रही है | तो आप हमारे ईमेल लिंक Subscribe कर ले इससे आपको प्रतिदिन अध्ययन सामग्री का लिंक मेल में प्राप्त होता रहेगा | **ईमेल से Subscribe करने के बाद मेल में प्राप्त लिंक को क्लिक करके पुष्टि (Verify) जरूर करें** अन्यथा आपको प्रतिदिन मेल में अध्ययन सामग्री प्राप्त नहीं होगी |

नोट (Note): अगर आपको हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में अध्ययन सामग्री प्राप्त करनी है, तो आपको दोनों में अपनी ईमेल से **Subscribe** करना पड़ेगा | आप दोनों माध्यम के लिए एक ही ईमेल से जुड़ सकते हैं |



ध्येय IAS[®]
most trusted since 2003



Join Dhyeya IAS Whatsapp Group by Sending "Hi Dhyeya IAS" Message on 9205336039.

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter

Step by Step guidance for Subscription:

- **1st Step:** Fill Your Email address in form below. you will get a confirmation email within 2 min.
- **2nd Step:** Verify your email by clicking on the link in the email. (Check Inbox and Spam folders)
- **3rd Step:** Done! you will receive alerts & Daily Free Study Material regularly on your email.

Enter email address

Subscribe



Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

